शुगर पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाकर 60% की जा सकती है

[पीटीआई | नई दिल्ली]

सरकार शुगर पर लगनेवाली इंपोर्ट ड्यूटी को मौजूदा 40 पर्सेंट से बढ़ाकर 60 पर्सेंट करने के बारे में सोच रही है। इससे सस्ती चीनी का आयात रोका जा सकेगा और देश में इसकी कीमत ऐसे लेवल पर रहेगी, जिससे मिलों को नुकसान ना हो। चीनी की कीमतें एक लेवल से कम होने पर मिलों के लिए पूरी प्रॉडक्शन कैपेसिटी का इस्तेमाल करना संभव नहीं होगा और वे किसानों को गन्ने का पैसा नहीं दे पाएंगी।

2016-17 मार्केटिंग ईयर में चीनी का उत्पादन कम रहने के आसार थे। इसलिए सरकार ने अप्रैल में इंपोर्ट ड्यूटी बिना 5 लाख टन कच्ची चीनी आयात करने की इजाजत दी थी। फूड मिनिस्ट्री के एक सीनियर ऑफिशियल ने बताया, 'हम इंटरनेशनल मार्केट में चीनी की कीमतों पर नजर रखे हुए हैं। वहां दाम में कमी आ रही है। कुछ ट्रेडर्स अधिक इंपोर्ट ड्यूटी के बावजूद आयात जारी रखना चाहते हैं। इसलिए हम इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं।' अगर इंटरनेशनल मार्केट में चीनी के दाम में और गिरावट आती है तो इंपोर्ट ड्यूटी तुरंत बढ़ाई जाएगी। अभी देश में चीनी की रिटेल कीमत 40-50 रुपये किलो चल रही है।

आधिकारिक सूत्र ने बताया कि पांच लाख टन कच्ची चीनी आयात करने का एग्रीमेंट पहले ही हो चुका है और अधिकांश चीनी आ चुकी है। उन्होंने कहा कि कच्ची चीनी इंपोर्ट करने की इजाजत इसलिए दी गई थी कि देश में चीनी की कमी नहीं हो और दाम ज्यादा नहीं बढ़ें। देश में 2.4-2.45 करोड़ टन सालाना चीनी की जरूरत पड़ती है जबकि 2016-17 के अंत में चीनी का प्रॉडक्शन 2.1 करोड़ टन रहने का अनुमान लगाया गया था। बाकी जरूरत पूरी करने के लिए मिलों के पास पिछले साल का भी कुछ स्टॉक बचा हुआ था। चीनी पर 40 पर्सेंट इंपोर्ट ड्यूटी होने के बावजूद अधिक आयात होने के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने कहा कि ऐसी खबरें हैं कि ब्राजील के साथ 3 लाख टन चीनी खरीदने का एग्रीमेंट हुआ है और वह देश में आने वाली है।

सस्ती चीनी का आयात रोकने के लिए 40% की मौजूदा इंपोर्ट ड्यूटी को बढ़ाने पर हो रहा है विचार

अधिकारी ने बताया, 'मिलें रिफाइनिंग के बाद एक्सपोर्ट करने के लिए विदेश से कच्ची चीनी खरीदती हैं। मुझे नहीं लगता कि ब्राजील से जो चीनी आ रही है, वह डोमेस्टिक मार्केट में खपत के लिए है।' अगर चीनी डोमेस्टिक मार्केट के लिए लाई जा रही है तो उसकी खेप अगले 45 दिनों में पहुंचेगी और उस पर टैक्स तब के रेट से वसूला जाएगा।

इस बीच, सरकार ने इंडस्ट्री से ग्लोबल और डोमेस्टिक प्राइसेज के बीच गैप मेंटेन करने को कहा है ताकि ट्रेडर्स को विदेश से चीनी मंगाने का इंसेंटिव ना मिले। अधिकारी ने कहा, 'सप्लाई बढ़ने पर डोमेस्टिक मार्केट में चीनी का दाम कमजोर होगा।' भारत में अभी चीनी की होलसेल कीमत 32 रुपये किलो है।

The Economic Times (Hindi)

3/7/17